Date
Page 48

# मेरा प्रिय मित्र

हम समाज में एक दूसरे के साथ रहते हैं। समान उम्र के व्यक्तियों के साथ घनिष्ठता बढ़ती है। इस घनिष्ठता से दोस्ती बढ़ती है। दुनिया में माता-पिता के बाद मित्र सबसे अपना होता है। वह सदा दुख सुख का साथी होता है। अच्छे मित्र के अभाव में खोया-खोया सा लगता है। श्रीयंस मेरा प्रिय मित्र है। वह हमेशा मेरे साथ रहता है। वह मेरी छठी कक्षा में पढ़ता है और मेरे बगल में बैठता है। वह समय पर मुझे ठीक सलाह देता है। उसमें आदर्श मित्र के सभी गुण है। वह बीमारी में भी मुझसे दूर नहीं रहता है। वह सत्यवादी है, मीठा बोलता है, पर कभीकभी हममें झगड़ा होता है। श्रीयंस तनमनधन से मेरी सहायता करते है। समान भावनाओं के कारण श्रीयंस मेरा प्रिय मित्र है।

Somsib Kumar Mohanty
17.07.2021